पीकेसी परियोजना के खिलाफ दर्जनों गांवों के किसानों का हुंकार

गुना में किसान आंदोलन की गूंज: 70 किलोमीटर लंबा कूच कर ट्रेक्टरों से कलेक्ट्रेट पहुंचे किसान, विकास के नाम पर उजड़ने से इंकार

नवभारत न्यूज

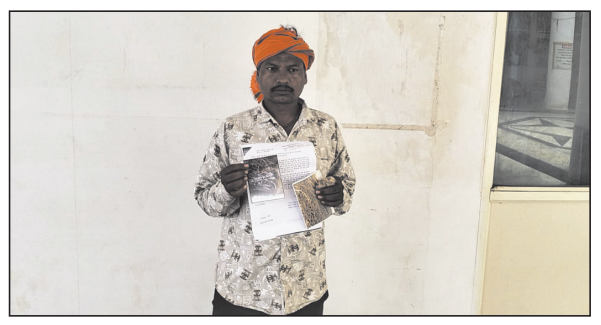

गुना 23 सित. का। मंगलवार का दिन गुना जिले के किसान आंदोलन के इतिहास में दर्ज हो गया। पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदी जोड़ो (पीकेसी) परियोजना के खिलाफ चांचौड़ा और राघौगढ़ क्षेत्र के किसानों ने आक्रोश का बिगुल फूंक दिया। सुबह से ही गांव-गांव से किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर सवार होकर निकले और करीब 70 किलोमीटर लंबा कूच करते हुए दोपहर तक गुना जिला मुख्यालय पहुंच गए।

किसानों का यह कारवां जैसे-जैसे बढ़ता गया, उसमें किसान जुड़ते गए। कलेक्ट्रेट परिसर में किसानों ने जमकर नारेबाजी की और प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि उनकी पुश्तैनी जमीनों और गांवों को डूब क्षेत्र में डालने की कोशिश की गई तो आंदोलन और व्यापक रूप धारण करेगा। गांव बचाओ, खेत बचाओ के नारे से गूंजते परिसर में किसानों ने साफ कहा कि सरकार विकास के नाम पर उन्हें उनकी जड़ों से उखाड़ना चाहती है, लेकिन वे ऐसा कभी नहीं होने देंगे। इस मौके पर पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह, बमोरी विधायक ऋषि अग्रवाल, आप नेता ममता मीना, रघुवीर मीना सहित बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों थे। इस दौरान हजारों की संख्या में किसान दशहरा मैदान पहुंचे। यहां संक्षिप्त आमसभा के बाद जुलूस कलेक्टोरेट पहुंचे। यहां किसानों का ज्ञापन लेने कलेक्टर किशोर कन्याल आए और ज्ञापन लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

370 एमसीएम का बांध, सैकड़ों गांवों का संकट

किसानों ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में बताया कि घाटाखेड़ी गांव में प्रस्तावित विशाल बांध की ऊंचाई 30 मीटर रखी गई है और इसकी क्षमता 370 एमसीएम बताई गई है। इतना बड़ा बांध बनने से हजारों एकड़ उपजाऊ भूमि जलमग्न हो जाएगी और सैकड़ों गांव आंशिक या पूर्ण रूप से डूब क्षेत्र में आ जाएंगे। किसानों ने भावुक अपील करते हुए कहा कि यह भूमि केवल उनकी जीविका का साधन नहीं है, बल्कि उनकी पीढियों की मेहनत और उनकी पहचान है।

छोटे स्टॉप डैम से भी संभव समाधान

किसानों का कहना था कि यदि सरकार सचमुच विकास चाहती है तो छोटे-छोटे स्टॉप डैम बनाकर भी जल संकट का समाधान निकाला जा सकता है। पार्वती नदी पर दो स्टॉप डैम बनाकर जलसंसाधन का लाभ भी मिल सकता है और विस्थापन का संकट भी टल सकता है। किसानों ने सवाल उठाया कि जब तकनीकी रूप से विकल्प मौजूद हैं तो आखिर हजारों परिवारों को उजाड़ने की योजना क्यों बनाई जा रही है।

किसानों का दर्द, हमसे से तो राय-मशवरा करते

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने जोर देकर कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में बिना जनता से राय-मशवरा किए, उनकी सहमति लिए, इस तरह की विशाल परियोजना लागू करना पूरी तरह अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस परियोजना के बारे में तब पता चला जब सर्वे के लिए अधिकारी उनके खेतों में पहुंचने लगे। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी बात को अनसुना किया गया तो यह संघर्ष गांव-गांव में फैल जाएगा और फिर इसे रोक पाना सरकार और प्रशासन के लिए मुश्किल हो जाएगा।

हमारी जमीन सिर्फ खेत नहीं, हमारी आत्मा है

किसानों ने मंच से साफ कहा कि उनकी जमीन केवल उपजाऊ खेत नहीं बल्कि उनकी आत्मा और रिश्तों की डोर है। एक बुजुर्ग किसान ने भावुक होते हुए कहा जमीन उजड़ गई तो हम भी उजड़ जाएंगे। हमारे लिए खेत सिर्फ अनाज नहीं, हमारी पहचान और अस्तित्व है। अगर सरकार ने यह परियोजना जबरन थोपी तो हम मौत को गले लगाना पसंद करेंगे लेकिन अपने गांव और खेत छोडकर नहीं जाएंगे।

पुलिस का पहरा, किसानों का आक्रोश

कलेक्ट्रेट परिसर में स्थिति बिगडने न पाए, इसके लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासन ने ज्ञापन प्राप्त कर किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को शासन तक पहुंचाया जाएगा। हालांकि, किसानों ने प्रशासन की इस कार्यवाही पर भरोसा जताने से इंकार किया और कहा कि वे अब केवल आश्वासन नहीं बल्कि लिखित और ठोस कार्रवाई चाहते हैं। बहरहाल गुना जिले के इस बड़े प्रदर्शन ने संकेत दे दिया है कि पीकेसी परियोजना अब सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं बल्कि किसानों के आंदोलन का मुद्दा बन चुकी है। दर्जनों गांवों से उठी यह आवाज अब पूरे जिले और प्रदेश में गूंज सकती है। किसानों ने साफ कहा है कि यह लड़ाई लंबी चलेगी और यदि उनकी जमीन और गांव बचाने के लिए उन्हें आंदोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ा तो वे पीछे नहीं हटेंगे।

क्या है योजना

दरअसल पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) लिंक परियोजना पिछले साल दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एमपी, राजस्थान और केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के बीच एमओयू के तहत शुरू हुई। इस परियोजना से मध्यप्रदेश के 11 जिलों में 3150 गांवों की 6 लाख 13 हजार हेक्टेयर में सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता होगी। इसकी अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ रुपए है। परियोजना में कुल 21 बांध और बैराज बनाए जाएंगे। इनमें मप्र के विभिन्न क्षेत्रों में सोनपुर, कुम्भराज, रणजीत सागर, गांधी सागर बांध सहित कई बड़े बांध शामिल हैं। जलाशयों की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी, जिसमें 172 मिलियन घन मीटर पानी ग्रामीणों और उद्योगों के लिए रिजर्व रखा जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से इस परियोजना का निर्माण अगले 5 वर्षों में पूरा हो जाएगा। इसमें 75 हजार करोड़ के खर्च में 90 फीसदी केंद्र सरकार और 10 फीसदी एमपी-राजस्थान सरकार उत्तरदायी होंगी।

आत्महत्या की चेतावनी, प्रशासन की चुप्पी पर किसानों का आक्रोश

गुना। जनसुनवाई में मंगलवार को जिला मुख्यालय पर एक पीड़ित किसान ने जब अपने दर्द को सामने रखा तो वहां मौजूद लोग भी स्तब्ध रह गए। तहसील बमोरी के ग्राम उकावद कला निवासी किसान मनोज धाकड़ ने कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए कहा कि मैं आत्महत्या करने को मजबूर हूँ, और यदि मेरी मौत हो जाए तो जितने घंटे मैंने अधिकारियों के चक्कर लगाए हैं उतने ही घंटे मेरा शव सिंचाई विभाग के दफ्तर में रखा जाए।

किसान के इस बयान ने प्रशासनिक उदासीनता और तंत्र की लापरवाही पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। आवेदन में किसान ने बताया कि रामपुर डैम से डौगरखेड़ी मायनैर तक आने वाली नहर उसके खेतों के पास से गुजरती है। नहर में लगातार रिसाव हो रहा है जिससे उसका खेत हर साल जलमग्न हो जाता है और पूरी फसल बर्बाद हो जाती है। यही नहीं, पुलिया की चौड़ाई भी अन्य जगहों पर 2.2 फीट रखी गई है जबकि उसके खेत की पुलिया मात्र एक फीट चौड़ी है। इस वजह से पानी का दबाव बढ़ता है और कभी भी नहर फूट सकती है, जिससे उसकी जमीन और आसपास के किसानों की मिट्टी बह सकती है। मनोज धाकड़ ने बताया कि इस समस्या को लेकर वे कई बार सिंचाई विभाग के अफसरों के पास गए और सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक किसी ने उनकी सुनवाई नहीं की। उनका कहना है कि बरसाती फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी है और अगली फसल के लिए बीज व खाद खरीदने तक की स्थिति नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने समय रहते समाधान नहीं किया तो वे आत्महत्या को मजबूर होंगे, और इसका जिम्मेदार सीधे तौर पर एसडीओ और सिंचाई विभाग के इंजीनियर होंगे। किसान मनोज ने साफ कहा कि यह सिर्फ उनकी समस्या नहीं बल्कि कई किसानों के जीवन-मरण का सवाल है।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर संपन्न

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में ''स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान'' के अंतर्गत जिले में लगातार शिविरों का आयोजन जारी है। इसी क्रम में संपूर्ण जिले में कृमि नाशक गोली जिले के 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को खिलाई गई। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। उप स्वास्थ्य केंद्र ऊमरी पर मंगलवार को स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऊमरी सरपंच सोनू सिसौदिया उपस्थित रहे। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा हितग्राहियों को निःशुल्क टीकाकरण, बीपी, शुगर, टीबी स्क्रीनिंग, एनीमिया जांच, एनसीडी स्क्रीनिंग जैसी स्वास्थ्य सेवाएं दी गई। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं की जांच,किशोरी बालिकाओं की जांच, अनमोल रजिस्ट्रेशन, टीकाकरण और अन्य बीमारियों की जांच कर मरीजों को आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। ऐसे शिविरों से ग्रामीण अंचल के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं नजदीक ही उपलब्ध हो जाती हैं, जिससे उन्हें जिला अस्पताल तक बार-बार नहीं जाना पड़ता। उक्त शिविर में कुल 154 मरीजों की जांच, उपचार 42 गर्भवती माताओं की जांच, 80 किशोरी बालिकाओं की काउंसलिंग एवं अल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। इसी तरह उप स्वास्थ्य केंद्र बरखेड़ी माफी में कुल 39 मरीज की जांच कर उपचार किया गया। 02 गर्भवती महिलाओं की जांच की गयी तथा 01 को जिला चिकित्सालय रैफर किया गया एवं 1 एनीमिक महिला को आयरन सुक्रोज लगाया गया। उक्त केंद्र पर सेवाएं प्रीति शाक्य सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, रेखा भदौरिया एएनएम, प्रवेश मीना आशा सहयोगी एवं अनमोल मीना आशा कार्यकर्ता द्वारा दी गई।

कुंभराज में टेकरी मंदिर से दानपेटी चोरी

गुना। जिले के कुंभराज थाना अंतर्गत नगर के प्रसिद्ध टेकरी मंदिर से अज्ञात चोरों ने दानपेटी चोरी कर ली। फरियादी संजू उर्फ संजीव पुत्र रमेश चन्द्र शर्मा निवासी वार्ड 03 कुंभराज ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वे प्रतिदिन की तरह 21 सितंबर की रात मंदिर की पूजा-अर्चना कर करीब 12 बजे ताला लगाकर घर चले गए थे। अगली सुबह 22 सितंबर को जब वे करीब 6:30 बजे मंदिर पहुंचे और पूजा-पाठ के बाद कामकाज में लगे, तो देखा कि मंदिर की दानपेटी गायब है। दानपेटी में लगभग 3 से 4 हजार रुपए होने की संभावना जताई जा रही है। फरियादी ने पहले आसपास दानपेटी की तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगर पालिका परिषद गुना की साधारण सभा सड़क निर्माण प्रमुख एजेंडा

गुना। नगर पालिका परिषद गुना की साधारण सभा आगामी 26 सितंबर 2025 को दोपहर 3 बजे नगर पालिका परिषद सभा कक्ष में आयोजित की जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने बताया कि इस बैठक में शहर के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर चर्चा होगी। बैठक में प्रमुख रूप से गुना रेलवे स्टेशन को वल्क वॉटर कनेक्शन की आपूर्ति के लिए 156 लाख रुपए की स्वीकृति का प्रस्ताव रखा जाएगा। यह राशि पाइपलाइन और टंकी निर्माण पर खर्च होगी और रेलवे द्वारा प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही जलप्रदाय की राशि प्रतिमाह रेलवे द्वारा नगर पालिका को दी जाएगी, जिससे अतिरिक्त आय के साथ-साथ यात्रियों और शहरवासियों को स्टेशन पर शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा।

सडक निर्माण और मरम्मत के लिए भी बड़े प्रस्ताव सभा में शामिल हैं। जिला न्यायालय से नानाखेड़ी एचपी पेट्रोल पंप तक डामरीकरण निर्माण कार्य के लिए 210 लाख रुपए और हनुमान चौराहे से जज्जी बस स्टैंड ओवर ब्रिज तक सडक निर्माण के लिए 150 लाख रुपए की स्वीकृति प्रस्तावित है। ये सडकें पांच वर्ष पूर्व बनाई गई थीं, जिनकी गारंटी समाप्त हो चुकी है और इस वर्ष की अतिवृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त हो गई हैं। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि इन परियोजनाओं से सांसद और केंद्रीय मंत्री श्रीमंत सिंधिया की विकास योजना को बल मिलेगा और शहरवासियों व आगंतुकों के लिए आवागमन में सुविधा बढ़ेगी। इसके अलावा परिषद बैठक में 37 वार्डों में किए गए पीआईसी बैठकों के निर्माण कार्यों का अवलोकन किया जाएगा। इन परियोजनाओं में रोड, नाली, पार्क जैसे विकास कार्य शामिल हैं, जिनकी लागत 25 लाख से 55 लाख रुपए तक प्रति वार्ड है और कुल 12.10 करोड़ रुपए के कार्य प्रस्ताव पारित किए गए हैं। नगर पालिका अध्यक्ष ने ऑडिटोरियम के विकास पर भी प्रकाश डाला। पहले शासन ने 300 सीटों के लिए 3 करोड़ रुपए स्वीकृत किए थे, लेकिन शहर की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए इसे 600 सीटों तक विस्तारित किया गया है। इस ऑडिटोरियम के लिए 60 लाख रुपए अतिरिक्त प्रस्तावित किए गए हैं। अध्यक्ष सविता गुप्ता ने सभी पार्षदों से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर शहर के विकास और नगरवासियों की सुविधा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से ध्यान दिलाया कि नगर पालिका परिषद में 37 पार्षदों में 22 महिला हैं और पिछली 24 मार्च 25 की बैठक में हंगामे के कारण दो महिला पार्षद बेहोश हो गई थीं। सविता गुप्ता ने कहा कि गुना शहर शांति का टापू है और सोशल मीडिया या समाचार पत्रों में नगर पालिका की बदनामी नहीं होनी चाहिए। सभी पार्षदों से निवेदन किया गया कि बैठक में अपनी राय शांतिपूर्ण और सकारात्मक तरीके से प्रस्तुत करें।

समस्या म्याना के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास का मामला लेकर जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीण

छात्रावास की समस्याओं को लेकर अभिभावकों ने सौंपा ज्ञापन

म्याना में वार्डन को हटाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

आम रास्ता से अतिक्रमण की मांग को लेकर पहुंचे वृंदावनवासी

नवभारत न्यूज

गुना। जनसुनवाई के दौरान मंगलवार को म्याना क्षेत्र से पहुंचे अभिभावकों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर कार्रवाई की मांग की। अभिभावकों का आरोप है कि शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में छात्रावास में नई वार्डन संगीता गुपचुप की पदस्थापना की गई है, जो बीमार रहती हैं और चलने-फिरने में असमर्थ हैं। ऐसे में छात्रावास की दर्जनों बालिकाओं की देखरेख में गंभीर लापरवाही हो रही है। ज्ञापन में कहा गया है कि नई वार्डन बालिकाओं और अभिभावकों के साथ अभद्र व्यवहार करती हैं और छात्राओं को धमकी देती हैं कि यदि उन्होंने शिकायत की तो उनकी टी.सी. काट दी जाएगी। वहीं सहायक वार्डन शर्मिला परवीन पर भी छात्राओं के साथ मारपीट और लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। बालिकाओं का कहना है कि उन्हें पढ़ाई की बजाय दिनभर उपेक्षित रखा जाता है और सहायक वार्डन अक्सर मोबाइल फोन में व्यस्त रहती हैं। अभिभावकों ने यह भी आरोप लगाया कि वार्डन का ड्राइवर पूरे दिन छात्रावास के मुख्य गेट पर बैठा रहता है, जिससे छात्राओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। अभिभावकों ने मांग की है कि वर्तमान वार्डन और सहायक वार्डन को तत्काल हटाकर पूर्व वार्डन सबनम बानो को दोबारा पदस्थ किया जाए।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

वृंदावन गांव में आम रास्ते पर अवैध कब्जे की शिकायत, ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

इधर आरोन तहसील के ग्राम बृंदावन के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आम रास्ते से अवैध कब्जा हटाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि हरिजन मोहल्ले से होकर गुजरने वाला मुख्य रास्ता, जिस पर से श्मशान घाट तक का आवागमन होता है, गांव के दबंग लोगों ने कब्जा कर लिया है। इस कब्जे के चलते लगभग 20 से 25 परिवारों की बस्ती के लोगों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता बंद होने से ट्रैक्टर-ट्रॉली, एम्बुलेंस और बच्चों को स्कूल ले जाने वाले वाहन भी मोहल्ले तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। इतना ही नहीं, मवेशियों की मौत होने पर उन्हें निस्तारित करने और किसी व्यक्ति का निधन होने पर अंतिम संस्कार करने में भी ग्रामीणों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि श्मशान घाट जाने का मार्ग भी दबंगों द्वारा बंद कर दिया गया है। ज्ञापन देने पहुंचे रामसिंह, शैताना, परमा, वृंदी, भामरलाल, देवेंद्र, कृष्ण मोहन, नीरज, धर्मेंद्र सहित दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि अवैध कब्जे से वे लंबे समय से परेशान हैं।

उन्होंने कलेक्टर से शीघ्र कार्रवाई कर रास्ता खुलवाने की मांग की है, ताकि बस्तीवासियों को राहत मिल सके।

नाबालिग छात्रा की फर्जी आईडी बनाकर की अश्लील हरकत, पुलिस ने दर्ज किया मामला

गुना। केंट थाना क्षेत्र में ऑनलाइन अपराध का मामला सामने आया है, जहां अज्ञात व्यक्ति ने एक नाबालिग छात्रा की फर्जी आईडी बनाकर अश्लील कमेंट पोस्ट किए और रिश्तेदारों को भेजकर उसकी छवि धूमिल करने की कोशिश की। मामले की शिकायत पीड़िता ने थाने में दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने साइबर अपराध के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सकतपुर यूपी ढावा के पास निवासी युवती ने थाने आकर बताया कि 17 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे उसने अपने मोबाइल पर देखा कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम से नाम से एक फर्जी आईडी बना ली है। उस आईडी पर उसकी तस्वीरें डालकर अश्लील भाषा का प्रयोग किया गया और भद्दे कमेंट लिखे गए। यही नहीं, आरोपी ने वह सामग्री उसके परिजनों व रिश्तेदारों तक भी पहुंचाई। घटना से आहत छात्रा ने थाने पहुंचकर तुरंत कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 319(2), बीएनएस 66(सी) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

300 वर्ष पुराना प्राचीन स्थल संत-महापुरुषों की तपस्या से जुड़ा

राधौगढ। राधौगढ के अष्टभुजी खोंगरा की प्राचीन वादियो में अष्टभुजी मैया की भक्ति-शक्ति और चमत्कार का सदियों का इतिहास आस्था के अध्याय से जुडा हुआ है। ऐसा प्राचीन स्थल राधौगढ में नही बल्कि प्रदेश के कई स्टेट हुकुमत के गढो में देवीय-देव स्थलों के रूप में पहचाने जाते है। जहाॅ त्याग-तपस्या के अनूठे उदाहरण एवं चमत्कारिक गाथाओं के बीच ऐसे स्थलों से जुडी हुई आस्था से श्रृद्वालुओ की मनोकामनाऐ पूर्ण होती है। दरअसल राधौगढ की प्राकृतिक पहाडियों में अष्टभुजी खोंगरा का लगभग 300 वर्ष पुराना प्राचीन स्थल संत-महापुरूषो की तपस्या से जुडा ऐसा इतिहास है जहा प्राचीन बावडी के समीप संत-महात्माओं में सरस्वती पुरी महाराज एवं अन्य एक प्राचीन समाधी स्थल गायत्री मंत्रों से युक्त चरण पादुका चैकी तक बनी हुये है। जहा पश्चिम मुख पहाडी पर माॅ शक्ति स्वरूपा के रूप में ''अष्टभुजी मैया'' विराजमान है और दक्षिण मुख पहाडी पर श्री हनुमान जी महाराज एवं पूर्व मुख पहाडी पर भोलेनाथ का प्राचीन स्थल सदियों पुराने स्थान का उदाहरण है। लोंग यह भी बताते है कि जहा रात्री में शेर भी मैया जी दर्शन करने एवं बावडी में पानी पीने के लिये पहुॅचता था। अष्टभुजी खोंगरा मे त्याग-तपस्या और भक्ति के चलते यह स्थल आस्था और मनोकामना पूर्ण स्थल बन चुका है। जहा अष्टभुजी खोंगरा सें जुडे मेर समाज एवं अन्य सदस्यो की समिति द्वारा प्रतिवर्ष नवरात्री पर अखण्ड ज्योति के साथ रामचरित्र मानस पाठ के साथ नवरात्री पर्व आस्था और श्रृद्वा के साथ मनाया जाता है।

गुना सिटी ट्रासपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड़,
प्रथम तल, नगर पालिका परिषद, गुना (म.प्र.) 473001

क्रमांक / 2736/ सिटिबस / 2024-25 गुना दिनांक 23/09/2025

विज्ञप्ति क्रमाक 03 / ई-निविदा / गुसिट्रासलिगुना / 2024-25
तृतीय आमंत्रण

निविदा विज्ञप्ति सूचना द्वारा निम्न कार्य हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। अत: जो ठेकेदार इस कार्य को करने हेतु इच्छुक हो वे अपनी-अपनी ऑनलाइन निविदाएं मासिक दर पर प्रस्तुत करें। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइड https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। विस्तृत निविदा सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइड पर देखी जा सकती है।

क्रं	टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	ई.एम.डी निविदा प्रपत्र की राशि	निविदा प्रपत्र खरीदने की अंतिम तिथि	1 कार्य की समयावधि 2 आमंत्रण
1	2	3	4	5	6
1	2024_UAD_369998_4	Invites sealed tender(s) for appointment of Licensee for lease of Space for Restaurant only (as annexure-1) for the public of Sutra Sava Bus in Stand Permanent Campus at Jajji Guna	1.रू. 50000/- केवल 2.रू. 5000.00	09.10.2025	1-36 माह 2.चतुर्थ आमंत्रण

1- टेण्डर क्रय एवं डालने की अंतिम तिथि 08.10.2025 सांय 5.30
2- टेण्डर खोलने की दिनांक 13.10.2025 प्रात: 10.30

चैयरमेन
गुना सिटी ट्रास्पोर्ट सर्विसेज लिमिटेड
जिला गुना (म.प्र.)

मैंजेनिंग डायरेक्टर
गुना सिटी ट्रास्पोर्ट सर्विसेज लिमिटेड
जिला गुना (म.प्र.)